Ethix® WATER Conditioner

(An ISO 9001:2015 & ISO 14001-2015 Certified Company)

15 Years ANNIVERSARY

India's No. 1*

इथिक्स वॉटर कंडिश्नर

(Electrolysis, Electronics with Electromagnetic)

ANTI-SCALING, ANTI-RUSTING, ANTI-ALGAE

"ट्युब वेल, बोरिंग, हेन्ड पम्प, कुऐं के दुषित एवं खारे पानी को करो अलविदा"

Useful For Domestic

Useful For Agriculture

घरेलु, कृषी, औद्योगिक क्षेत्रो में अदभुत लाभकारी

घर खरीदना हर एक व्यक्ती का एक ख्वाब होता है, जिस के लिए आप अपनी जिंदगी भर की पूँजी खर्च करते है। लेकिन आप सारी सुविधाओं के साथ घर खरीदते समय एक बडी भूल कर जाते हैं। वह यह की, क्या उस घर में वॉटर सप्लाय सिस्टम ढंग का है कि नहीं, हम आम तौर पर यह समझ लेते हैं कि वॉटर सप्लाय एक आम सिटी सप्लाय है, या फिर वह किसी कुँवे से होगा।

आप के घर के वॉटर सप्लाय का अच्छा होना एक महत्वपूर्ण तथा जटिल विषय है, क्यों कि वॉटर सप्लाय सिस्टम पाईप के माध्यम से नलों, शॉवर्स, परनाले, टब्स, संडास बाथरूम, वॉशिंग मशीन्स, वॉटर-हिटर्स, बगीचे आदि तक जो घर के अंदर या बाहर के हिस्से में होते हैं, वहाँ तक यह पानी पहूँचता है, चाहे यह पानी सिटी वॉटर सप्लाय के माध्यम से प्राप्त हो रहा हो या घर अथवा आसपास के कुँअे से, समस्या हर हाल में बाकी रहती है।

जैसे ही पानी की सतह घट जाती है, पानी अपने साथ कॅल्शियम को अपने साथ ढोता है, जो फलत: खारेपन से जुदा नहीं हो सकता। पानी जितना खारा होगा समस्या उतनी ही अधिक गंभीर होगी, जो आपको सहनी पडेगी क्यों कि यह खारा पानी आपके घर की सारी पाईप लाईन्स को खराब कर देगा, पूरा प्लमबिंग सिस्टम बिगड जाएगा। यह केवल पाईप के ऊपरी भागों को ही खराब नहीं करेगा, बल्कि यह शॉवर हेडस् को भी सडा देगा, खास तौर से वॉटर हिटर्स को, और अगर आपके घर में आर.ओ युनिट है तब तो आपको उसकी देखरेख के लिए भारी खर्च करना पडेगा। लेकिन एथिक्स वॉटर कंडिश्नर (Ethix Water Conditioner) आपकी सभी समस्याओं का समाधान है, यह आपके वॉटर सप्लाय संबंधित सारे प्रश्नों का उत्तर है।

खारे पानी की समस्या और उस पर उपाय

खारे पानी कैसे तय्यार होता है?

बारिश का पानी थोडा ॲसिडिक होता है. क्यों किवह वातावरण से आते हुअे कार्बन डायऑक्साईड वायु के साथ संपर्क में आता है, जिस की वजह से उसमें कार्बोनिक ॲसिड निर्माण होता है. $H_2O+CO_2=H_2CO_3$ पानी + कार्बन डायऑक्साईड = कार्बोनिक ॲसिड. यह ॲसिडिक प्रकृतिका पानी कुछ मात्रा में पथरेली जमीन में घुल-मिल जाता है,ॲसिडिक पानी और पथरीली जमीन से निकले हुअे कॅल्सियम, मॅग्नेशियम सॉल्टस और अन्य खनिज, इन सब के संयोग से पानी में नमक निर्माण होता है. खारे पानी में चूने की परत एंव कंकर का मतलब है कॅल्शियम, मॅग्नेशियम सॉल्ट और खनीजों के क्रिस्टल्स के संयोग से निर्मित मिश्रण.

खारे पानी कैसे पहचानें?

खराब पानी से पाईप, नलकी, वॉशिंग मशीन, शॉवरहेडस्, गिझर, सोलर हीटर्स, बॉईलर्स में सफेद रंग के एंव पीले रंग के स्तर निर्मित होते है. खारे पानी में साबुन की झाग निर्माण नही होती, दालें पकती नही, पानी का स्वाद बिगड जाता है, अगर यह नमकीन पानी नहाने के लिए इस्तेमाल किया जाये तो शरीर की त्वचा मे खुजली का एहसास होता है. सर के बाल सूखें एंव बेजान होकर गिरने लगते हैं. खारे पानी के इस्तेमाल से बाथरूम, झिंक वॉशबेसिन, संडास और घर के धातु के बरतनों पर धब्बे पेदा होते है., यह दाग-धब्बे आसानी से नष्ट नहीं होते. खेतों में ड्रिप सेट की नलियाँ, ड्रिपर्स जाम हो जाते हैं, पेडों के पत्ते मुरझा जाते है. नयी फसलें ठीक से बढती नही, जिस जगह जमीन पर ड्रिपर का पानी गिरता है वहाँ सफेद नमक जमा हो जाता है।

खारे पानी की समस्या कैसे सुलझाई जाती है?

संशोधन द्वारा यह मालूम हुआ है कि पानी में शामिल नमक एंव खनिज के कण जब एकत्रित होते हैं, उनका संयोग होकर क्रिस्टल तय्यार होता है. फिर यह क्रिस्टल्स जिस उपरी सतह के संपर्क में आते है उस पर टिके रहते हैं और उनका रूपांतर चूने के कंकरों एंव नमक की डलियों में हो जाता है. संशोधन में यह स्पष्ट हुआ है कि चुंबकीय लहरों से खनिजों और नमकीन कर्णों का संयोग रोका जा सकता है. मतलब यह की इनसे क्रिस्टल बनने की प्रक्रिया टाली जा सकती है. खुलासा यह की पानी को खराब होने से बचाया जा सकता है. चुंबकीय असर से यह स्पष्ट हुआ है कि खारे पानी की वजह से जमीन पर जो सफेद धब्बे दिखाई देते हैं. वह धीरे-धीरे निकल जाते हैं पाईप के अंदर से जो खारापण सफेद रूप में बाहर आया है वह पुर्णत: निकल कर पाईप सडने की क्रिया बंद हो जाती है. खनिज कर्णों और नमक का संयोग टूट जाता है और उस से आजाद तौर पर खनिज -द्रव्य कृषी और सब्जियों को मिलते है, जिस से उत्पादन में बढोतरी होती है. कृषी को इस पानी से उन्नती तो प्राप्त होती ही है, उस के अलावा सब्जियों, वनस्पतियों, फलों, फूलों का दर्जा श्रेष्ठ होकर उनकी आयु मर्यादा बढती जाती है।

No Maintenance | **No Salts** | **No Chemicals** | **Fit And Forget** | **One Time Investment** | **Long Life**

www.ethixwaterconditioner.com | TollFree No.: 1800-123-6463 (INDIA)

''एथिक्स वॉटर कंडिश्नर'' के घरेलू इस्तेमाल के फायदे

- खारे पानी के भौतिक स्वभाव बदलने से पिघला हुआ नमक बर्तन, फर्श , लादी, रसोईघर, ओटा इ. को चिपकता नही, नियमित रूप से सफाई करने पर स्वच्छ रहते हैं।
- नहाते समय नदी के पानी से नहाने का एहसास होता है।
- कपडे धोते समय साबुन की बचत होती है तथा कपडे साफ निकलते हैं।
- गॅस , गिझर, इलेक्ट्रिक हिटर के लिए बिजली कम खर्च होती है।
- नलों का दबाव बढ़कर उनका टपकना कम/बंद होता है, टाइट नल ढीले हो जाते है।
- घर के पानी से जुडे उपकरण (जैसे वॉशिन मशीन, वॉटर प्युरीफायर, कुलर इत्यादी) की कार्यक्षमता बढ़ने से बचत होती है।
- बालों का गिरना/झडना कम होता है।
- शरीर में खुजली नही होती और त्वचा हमेशा कोमल रहती है।

''एथिक्स वॉटर कंडिश्नर'' के कृषी इस्तेमाल के फायदे

- जमीन का पानी सोखने और उसे थामने की क्षमता बढ़ जाती है।
- जमीन की शिथिलता बढ़ जाती है।
- खाद पानी में पुरी तरह घुल जाते है और जडे साफ होने से खाद मात्रा कम लगती है तथा खाद उपयुक्तता बढ़ जाती है।
- पानी के स्वभाविक रूप से हलका होने एवं जडों की सफाई होने से फसल-विकास तेजी से होता है।
- फसलें तेजी से बढ़ती है और उत्पादन मे अधिक वृध्दी होती है।
- सफेद जडों की बढ़त होकर उनके साफ होने से खाद पूरी तरह घुल जाता है जिस के कारण फालें लहलहाते विकसित होती है।
- कीटनाशक दवाओं का उच्च परिणाम प्राप्त होता है, पत्तों का मुरझाना बहुत घट जाता है। पत्ते हरे भरे होते हैं, पत्तों का गिरना रुक जाता है।
- ड्रिपसेट हमेशा साफ-सुथरा रहता है ॲसिड ट्रीटमेंट की आवश्यकता नहीं रहती।
- खेतों में रहने वाले पशु अधिक मात्रा में पानी पीते हैं, इजिस से उत्पादन वृध्दी मे विशेषत: बढ़त होती है।
- ३३: प्रतिशत फलों, फूलों के उत्पादन में बढोतरी होती है, और उच्च दर्जे का उत्पादन प्राप्त होता है।

वनस्पतीयों और पशुओंपर तुलनात्मक परिणाम

१. गाय, बछडे, बकरी, मुर्गी इन पशुओं मे दूध, मांस और अंडो का उत्पादन बढ़ता है।
२. उत्पादन क्षमता बढने के साथ साथ उत्पादन दर्जा बढिया होता है।
३. पशुओं के स्वास्थ में बेहतरी होने से उनसे प्रयाप्त मांस, चरबी, दूध प्रोटिन की मात्रा बढ जाती है।
४. पशुओं की शारिरीक शक्ती बढती है, जिस से उनकी बिमारियों से लढने की प्रतिकार क्षमता बढ़ जाती है।
५. फलों का आकार बढता है, जमीन की उपज क्षमता में वृध्दी होती है।
६. कम समय में पेड़ बडे हो जाते है, सब्जियों की चमक एंव आकार बढ़ता है, उत्पादन उच्च दर्जे का होता है।
७. फलों का स्वाद एंव गुण दुगने होते हैं, शुगर मात्रा घटती है।
८. वनस्पतीयॉ / सब्जियॉ एक समान दिखती हैं, रोग प्रतिकार शक्ती बढकर आयु-मर्यादा ज्यादा हो जाती है।

Scan For Website

Manufacturing & Marketing By

EMERGING ETHIX POWER PVT. LTD.

CORPORATE OFFICE : S.No. 54, 4th Floor, Holkar House, Near Dawat Hotel, Pune-Banglore Highway, Vadgaon Bk., Pune 41. **Contact No.:** 788-788-7123 / 8888-520-007 | **E-mail :** sales@ethixwaterconditioner.com

www.ethixwaterconditioner.com | Toll Free No.: 1800-123-6463 (India)